हिन्दुस्तान 03
लखनऊ • शनिवार • 31 अक्तूबर 2015

फरवरी माह में होंगे कल्चरल और टेक्नो फेस्ट

एकेटीयू

लखनऊ । युवा रिपोर्टर

- विश्वविद्यालय प्रशासन ने जारी किया कार्यक्रम
- आयोजकों को बजट देने का लिया फैसला

प्रदेश के इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कॉलेजों में आगामी फरवरी माह में संस्कृतिक, टेक्निकल एवं स्पोर्टस फेस्ट का आयोजन किया जाएगा। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय प्रशासन ने शुक्रवार को इस पर मुहर लगा दी है। कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक की अध्यक्षता में ये बैठक हुई। इसमें, प्रारम्भिक प्रतिस्पर्धाएं जोनल स्तर पर आयोजित कर प्रत्येक जोन से एक टीम का चुनाव राज्य स्तरीय प्रतिस्पर्धा के लिए किया जाएगा।

प्रो. पाठक ने बताया कि जोनल स्तर पर आयोजन के लिए संस्थान को एक लाख रुपए और राज्य स्तर के आयोजन के लिए संस्थान को तीन लाख रुपए की आर्थिक सहायता विश्वविद्यालय की ओर से दी जाएगी।

बैठक में कुलपति के अतिरिक्त इंजीनियरिंग एण्ड फैकल्टी के डीन प्रो. केबी नायक, डीन छात्र कल्याण प्रो. कुलदीप सहाय, एसोसिएट डीन छात्र कल्याण डॉ. संजय सिंह, वित्त अधिकारी एसपी वर्मा समेत अन्य मौजूद रहे।

राजधानी में होगा कल्चरल फेस्ट

एकेटीयू के राज्य स्तरीय कल्चरल फेस्ट का आयोजन राजधानी के एसआर इंस्टीट्यूट में होगा। विश्वविद्यालय के निर्धारित कार्यक्रम के तहत आगामी 26 व 27 फरवरी को इसका आयोजन किया जाएगा।

लखनऊ जागरण
लखनऊ, 31 अक्टूबर 2015 दैनिक जागरण | 7

एकेटीयू विद्यार्थियों को देगा परीक्षा की कॉपिय

नई सुविधा

- इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट कॉलेजों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को दी जाएंगी परीक्षा की कापियां
- पहले चरण में पीजी कोर्सेज में होगा डिजिटल मूल्यांकन

जागरण संवाददाता, लखनऊ : डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) अब विद्यार्थियों को परीक्षा की कापियां देगा ताकि वह उसे देख लें कि जो भी नंबर परीक्षक ने दिए वह सही है या नहीं। यही नहीं विद्यार्थियों के अभिभावक भी इसे देखकर संतुष्ट हो सकेंगे। यह पारदर्शी व्यवस्था इसलिए अपनाई जाएगी कि अभी मूल्यांकन को लेकर विद्यार्थी शिकायत करते रहते हैं। पहले चरण में पोस्ट ग्रेजुएशन (पीजी) कोर्सेज में परीक्षा की कापियों का डिजिटल मूल्यांकन होगा और विद्यार्थियों को कापियां घर ले जाने के लिए दे दी जाएंगी।

एकेटीयू के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक परीक्षा से लेकर मूल्यांकन तक की व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी बनाना चाहते हैं। यही कारण है कि आगे विश्वविद्यालय डिजिटल मूल्यांकन की व्यवस्था करने जा रहा है। पहले चरण में पीजी कोर्सेज की कापियों का डिजिटल मूल्यांकन होगा। इसके तहत कापियों को स्कैन कर लिया जाएगा और परीक्षकों को कंप्यूटर टर्मिनल पर कापियां जांचने के लिए दे दी जाएंगी। वह ऑनलाइन कापियां चेक करेंगे और अंक देंगे। इससे दूसरा फायदा यह भी होगा कि परीक्षा की कापियों से नंबर लिस्ट में चढ़ाने पर आसानी होगी और रिजल्ट भी समय पर आ जाएगा। फिलहाल अभी इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट कॉलेजों में विद्यार्थी मूल्यांकन को लेकर शिकायतें करते हैं। ऐसे में इस नई व्यवस्था के बाद मूल्यांकन की व्यवस्था भी चुस्त दुरूस्त हो जाएगी और विद्यार्थियों को शिकायत का मौका भी नहीं मिलेगा। फिलहाल एकेटीयू प्रशासन जल्द ही डिजिटल मूल्यांकन के लिए सॉफ्टवेयर खरीदेगा। इस नई व्यवस्था से छात्रों के परीक्षा से जुड़ी सभी जानकारियां एक क्लिक पर आसानी से उपलब्ध हो जाएंगी। उन्हें विभिन्न विषयों के अंक एक क्लिक पर आसानी से उपलब्ध हो जाएंगे। व्यवस्था से विश्वविद्यालय को भी अधिक दिक नहीं होगी। उसके पास परीक्षा की कापियों का साल का ऑनलाइन डाटा उपलब्ध होगा और कभी भी इसे विद्यार्थियों को उपलब्ध करवा सके विद्यार्थियों को परीक्षा की कापियां मिलने से वह सकेंगे कि उन्होंने कहां पर क्या त्रुटि की जि परीक्षक ने उनके नंबर काटे आगे वह इसे सुधार अपना रिजल्ट और बेहतर बना सकेंगे।